झूठी गवाही

पूजा शर्मा पुत्री श्री मुकेश शर्मा
जूनियर इंजीनियर (वरिष्ठ ग्रेड)

वह खा नहीं रहा, कभी उसने खाया भी नहीं
शायद आगे भी वह खा नहीं पायेगा
भूखे पेट रहकर सेब बेचने वाला कब तक अपने सेब मीठे बतायेगा

ले लो बाबूजी मेरे सेब बहुत मीठे हैं
आपको शिकायत का मौका नहीं आएगा
भूखे पेट रहकर सेब बेचने वाला कब तक अपने सेब मीठे बतायेगा

एक-एक सेब बेच लाभ से वह खरीदेगा आटा
एक सेब भी खराब हुआ तो बढ़ जाएगा घाटा
इसलिए तो एक पीस भी वह बच्चों के लिए नहीं बचाऐगा
भूखे पेट रहकर सेब बेचने वाला कब तक अपने सेब मीठे बतायेगा

क्या है उसका दुर्भाग्य क्या है उसकी निराशा
ज्यादा बच्चे, थोड़ी कमाई, ऊपर से बढ़ती कमर तोड़ महंगाई
सेब बेचकर कब तक गुजारा चलाएगा
भूखे पेट रहकर सेब बेचने वाला कब तक अपने सेब मीठे बतायेगा

क्या उसके जीवन में ऐसा समय आएगा
जब वह बेचने से पहले, खुद सेब खाएगा
तब होगा उसके साथ इंसाफ, जब वह सचमुच में खाकर सेब मीठा बताएगा
भूखे पेट रहकर सेब बेचने वाला कब तक अपने सेब मीठे बतायेगा।